

Code No.: UT(V)81

Total No. of Questions : 4

Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकोत्तरपरीक्षा:- २०१५

एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - द्वितीयवर्षम्

शास्त्रम् - सामवेद स्मार्त प्रयोगः

भागः - १, पत्रिका - ५

दिनाङ्कः - 30-3-2015

गरिष्ठाङ्काः - ८०

समयः - 2.30 P.M. to 5.30 P.M.

Max. Marks - 80

I. द्वयोरेव उत्तरं लिखत।

2 × 15 = 30

१. सर्पबलि प्रयोगं ब्राह्मण भाष्य रीत्या सप्रयोगं व्याकुरुत।
२. पुरुषस्य आप्लवनं (स्नानकर्म) गृहोक्त (सूत्रं) दिशा विवृणुत।
३. आशौच भेदान् धर्म सूत्रोक्त दिशा विवृणुत।
४. “मातामहानां चैवम्” एतत् सूत्रं किं सूचयति? विशदयत।

II. षण्णामेव उत्तरं लिखत।

6 × 5 = 30

१. श्रावणादि _____ छन्दांसि।
२. एधोदक _____ सर्वेषाम्।
३. धर्मिणां विशेषेण ज्ञानाभिनिवेशाभ्याम्।
४. नवमीं दशमीं वा अन्वष्टव्यम्।
५. उदपात्राणि _____ स्वधेति।
६. विष्टर पाद्य _____ त्रिवेदयन्ते।
७. अमावास्यायां पितृभ्यो दद्यात्।
८. अभावे शिष्यान् स्वाचारान्।
९. सपवित्रेषु हस्तेष्विति।
१०. धारां दद्यात् ऊर्जं वहन्तीरिति।

Code No.: UT(V)81

III. यथा भाष्यं व्याकुरुत।

5 × 2 = 10

१. तपश्च तेजश्च
२. ये यन्ति
३. अर्हणा
४. अत्रापितरः
५. ऊर्जं वहन्तीः

IV. एतेषां अर्थो लेख्यः।

10 × 1 = 10

१. सक्तु
२. सोम स्तम्बः
३. तोकः
४. देवयानम्
५. विधचर्षणिः
६. पैशुनम्
७. लोहदण्डः
८. सूर्मिं
९. अनवद्यः
१०. भुग्नम्